

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA TRAINING INSTITUTE हैदराबाद / HYDERABAD

टिप्पणी / Note

"सुदूर संवेदन के मूल तल्व" पर ई-व्याख्यान सत्र (22.03.2021 to 23.03.2021)

e-Lecture Session on "Fundamentals of Remote Sensing" (22.03.2021 to 23.03.2021)

श्री सीएच. वेंकटेश्वर राव, उपमहानिदेशक एवं मिशन प्रमुख V एवं श्री बिश्वजित गंगोपाध्याय, उपमहानिदेशक, क्षेप्रप्र एवं फ़ीप्रप्र के मार्गदर्शन में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, फोटो भूविज्ञान एवं सुदूर संवेदन प्रभाग, हैदराबाद द्वारा 75 वें भारतीय स्वतंत्रता (भारत का अमृत महोत्सव) की स्मृति में 75 सप्ताह के समारोह के अंतर्गत, 22 से 23 मार्च, 2021 तक "सुदूर संवेदन के मूल तत्व" पर ई - व्याख्यान सत्र आयोजित किया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अनन्य रूप से देश के विभिन्न विश्वविद्यालय / कॉलेज / शैक्षणिक संस्थानों के स्नातक-पूर्व छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। इस ई - व्याख्यान में 151 विभिन्न विश्वविद्यालयों और संगठनों से कुल 434 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस ई-प्रशिक्षण में, भारत के सभी भागों जैसे भूविज्ञान, भूगोल, कृषि, और सिविल अभियांत्रिकी जैसे विभिन्न विषयों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान, भा.भू. स प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा प्रतिभागियों को भा.भू. स.की विरासत, राष्ट्र निर्माण में योगदान को भी बताया गया। डॉ. निशा रानी, अधीक्षण भूविज्ञानी ने सुदूर संवेदन के सिद्धांतों पर और सुदूर संवेदन के अनुप्रयोगों पर व्याख्यान तथा श्री अनूप वी. एम., वरिष्ठ भूवैज्ञानिक ने सेंसर, प्लेटफॉर्म, विभिन्न डेटा उत्पादों के साथ-साथ छवि के प्रमुख तत्वों पर व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों ने इस ई-व्याख्यान सत्र के संचालन और जीएसआई के कामकाज के बारे में सुदूर संवेदन और जागरूकता के ज्ञान के साथ समृद्ध करने के लिए पीजीआरएस डिवीजन जीएसआईटीआई द्वारा की गई पहल की सराहना की है।

As a part of 75 week-long celebration in Commemoration of 75th Indian Independence (Bharat ka Amrut Mahotsava), Photo Geology and Remote Sensing (PGRS) Division, Geological Survey of India Training Institute (GSITI) has conducted e-Lecture session on "Fundamentals of Remote Sensing" from 22-03-2021 to 23-03-2021 under the guidance of Shri. Ch. Venkateswara Rao Dy. D.G & Head, Mission-V and Sh. Biswajit Gangopadhyay, DDG, RTDs & FTCs. This programme was conducted exclusively for Under Graduate (UG) Students of different Universities/Colleges/Academic Institutes. A total of 434 participants from 151 universities, colleges and academic institutes participated in the two-day programme. Students from different disciplines such as geosciences, geography, agriculture, and civil engineering have attended the programme.

During this interactive training programme, participants were introduced to the legacy of Geological Survey of India, its functioning and contribution in nation building. They were also introduced to the various training programmes being conducting by GSITI. Through the interaction they were motivated to aspire their knowledge for career in Geoscience. Lecture sessions on principles of remote sensing and applications of remote sensing in different fields were delivered by Dr. Nisha Rani, Superintending Geologist. Shri Anoop V. M, Senior Geologist delivered talk on sensors, platform, different data products as well as key elements of Image interpretation. The participants have appreciated the initiative taken by the PGRS Division GSITI, for conducting this e-lecture session and enriching them with the knowledge of remote sensing and awareness about functioning of GSI.

गतिविधियों की झलक/Glimpses of Activities

